[म]हात्मा गांधी अंतर[राष्ट्रीय] [हिं]दी विश्वविद्यालय, वर्धा
Mahatma Gandhi A[ntarrashtriy]a Hindi Vishwavidyalaya, Wardha
(संसद द्वारा पारित अधिनियम1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत संचालित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University Established by parliament by Act No. 3 of 1997)

BOS

मानवविज्ञान विभाग

दिनांक : 04/12/2021

अध्ययन मंडल (BOS) की बैठक

दिनांक : 04 दिसंबर, 2021 (शाम : 04:00 बजे)

कार्यवृत्त

मानवविज्ञान विभाग के अध्ययन मंडल (BOS) की बैठक ऑनलाइन/ ऑफलाइन (मिश्रित मोड) माध्यम से 04 दिसंबर 2021 को शाम 04:00 बजे सम्पन्न हुई। इसमें चर्चा के बाद निम्नलिखित निर्णयों/ कार्यवाही की पुष्टि की गई :

मद संख्या : 01

पिछली बैठक दिनांक 13 सितंबर, 2021 में लिए गए निर्णयों/कार्यवाही की पुष्टि एवं निर्णय के अनुसरण में की गई अनुवर्ती।

I. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसरण में स्नातक कार्यक्रम प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम की पाठ्यचर्या के प्रारूप पर विचार।

19 नवंबर, 2021 विद्यापीठ मंडल की बैठक में स्वीकृत एवं विद्या परिषद् की बैठक में अग्रेषित

II. पी-एच.डी. (सत्र : 2015-16) शोधार्थी **श्री रामदेव जूर्री** के शोध शीर्षक में आंशिक संशोधन का प्रस्ताव।

शोधार्थी **श्री रामदेव जूर्री** का परिवर्तित शोध शीर्षक **'जनजातीय संस्कृति में महुआ का सामाजिक-सांस्कृतिक महत्व : निरंतरता एवं परिवर्तन (छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले की जनजातियों के विशेष संदर्भ में)'** शोध शीर्षक में आंशिक संशोधन किया गया।

19 नवंबर, 2021 विद्यापीठ मंडल की बैठक में स्वीकृत एवं विद्या परिषद् की बैठक में अग्रेषित

III. पी-एच.डी. (सत्र : 2016-17) शोधार्थी **श्री राजीव कुमार** के शोध शीर्षक में आंशिक संशोधन का प्रस्ताव।

शोधार्थी **श्री राजीव कुमार** का परिवर्तित शोध शीर्षक **'वर्धा के नव-बौद्धों का नृजातिवर्णनात्मक अध्ययन'** शोध शीर्षक में आंशिक संशोधन किया गया।

IV. पाठ्यचर्या के संदर्भ सूचियों को परिष्कृत करने तथा हिंदी माध्यमों की पुस्तकों की सूची उपलब्ध कराने का बाह्य विशेषज्ञ तथा पूर्व विद्यार्थी सदस्य से अनुरोध किया गया।

कार्य प्रगति पर है, बाह्य विशेषज्ञों द्वारा उपरोक्त से संबंधित सूची उपलब्ध कराई गई।

निर्णय : उपयुक्त निर्णय अध्ययन मंडल तथा विद्यापीठ मंडल से विद्यापरिषद की बैठक में अनुमोदनार्थ प्रेषित।

मद संख्या : 02

एम.फिल. (सत्र: 2019-21) के शोधार्थी **(1) श्री डाकेश्वर (2) सुश्री आसिफा शमशेर शेख (3) श्री अरूणेश कुमार** के शोध प्रगति के संबंध में प्रतिवेदन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के संलग्न पत्र क्रमांक F.No.1-10/2020 (CPP-II) दिनांक 01 दिसंबर, 2021 के आलोक में निर्णयार्थ प्रस्तुत।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha
(संसद द्वारा पारित अधिनियम1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत संचालित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University Established by parliament by Act No. 3 of 1997)

- **श्री डाकेश्वर : (एम.फिल. सत्र : 2019-21)**

  18.03.2021 का शोध निगरानी समिति (DRMC) की बैठक में शोध डाटा के सूचकाको एवं मापकों को स्पष्ट कराया गया। 25.06.2021 शोध प्रबंध के लिए निर्देशित किया गया। 09.09.2021 का शोध निगरानी समिति (DRMC) की बैठक में मलेरिया के कारण उपस्थित नहीं हुए। 22 नबंवर, 2021 के शोध निगरानी समिति (DRMC) की बैठक के निर्णयानुसार 30.11.2021 को शोध प्रबंध जमा करने तथा शोध निर्देशक से सम्पर्क करने के संदर्भ में पत्र भेजा गया।

निर्णय : शोध प्रबंध जमा करनेकी अवधि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पत्रांक नं. 1-10/2020(CPP-II), दिनांक 01 दिसंबर, 2021 के आलोक में विस्तारित किया गया।

- **सुश्री आसिफा शमशेर शेख : (एम.फिल. सत्र : 2019-21)**

  शोधार्थी के 23 दिसंबर, 2020 के आवेदन जिसमें उन्होंने कोरोना के कारण अमरावती के बदले वर्धा के मदारी समुदाय पर शोध की अनुमति मांगी थी पर 18 मार्च, 2021 के शोध निगरानी समिति की बैठक में शोधार्थी को निर्देशित किया गया था कि जिस समुदाय पर शोध करना चाहती है उनके पहचान संबंधी दस्तावेज 25 अप्रैल, 2021 तक उपलब्ध कराएं। 25.06.2021 शोध निगरानी समिति (DRMC) की बैठक में शोध उपकरण तैयार करने एवं क्षेत्रकार्य प्रारंभ करने के संबंध में निर्देशित किया गया। 09.09.2021 के शोध निगरानी समिति (DRMC) की बैठक में शोध निर्देशक ने सूचना दी की शोधार्थी लम्बे समय से संपर्क में नहीं है। 22 नबंवर, 2021 के शोध निगरानी समिति (DRMC) की बैठक के निर्णयानुसार 30.11.2021 को शोध प्रबंध जमा करने तथा शोध निर्देशक से संपर्क करने के संदर्भ में पत्र भेजा गया।

निर्णय : शोध प्रबंध जमा करनेकी अवधि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पत्रांक नं. 1-10/2020(CPP-II), दिनांक 01 दिसंबर, 2021 के आलोक में विस्तारित किया गया।

- **श्री अरूणेश कुमार : (एम.फिल. सत्र : 2019-21)**

  24.06.2021 के शोध निगरानी समिति (DRMC) की बैठक में शोध प्रबंध अविलम्ब जमा करने के लिए निर्देशित किया गया। 08.09.2021 की बैठक में पूर्व प्रस्तुति के लिए निर्देशित किया गया। 01.10.2021 पूर्व प्रस्तुति के उपरांत सुझावों को शामिल करते हुए 01 माह के अंदर शोध प्रबंध जमा करने तथा नियमानुसार 01 शोध पत्र प्रस्तुति के संबंध में प्रमाण-पत्र जमा करने का निर्देश दिया गया। उक्त के आलोक में आज तक शोधार्थी द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई है। शोधार्थी को पत्र भेजा गया है। जिसका उत्तर ई-मेल द्वारा प्राप्त हुआ। जिसका अवलोकन कर निम्नलिखित निर्णय लिया गया।

निर्णय : शोध प्रबंध जमा करनेकी अवधि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पत्रांक नं. 1-10/2020(CPP-II), दिनांक 01 दिसंबर, 2021 के आलोक में विस्तारित किया गया।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत संचालित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University Established by parliament by Act No. 3 of 1997)

मद संख्या : 03

सुश्री आरिफा खातुन के पी-एच.डी. शोध के संबंध में।

इनसे संबंधित प्रकरण लम्बे समय से प्रक्रियाधीन है, सुश्री आरिफा खातुन का पंजीयन की तिथि 17.07.2013 है चार वर्ष पूर्ण होने के उपरांत 03 नवंबर, 2017 के अध्ययन मंडल की बैठक के मद संख्या 02 के अंतर्गत लिए गए निर्णय के आलोक में पत्रांक 51/2011/अ.मं.(BOS)/ 30 पार्ट फा. 03/630, दिनांक 18.04.2018 द्वारा 17.07.2013 से 16.07.2017 को 04 वर्ष पूर्ण होने के पश्चात 17.07.2018 तक शोध अवधि विस्तारित किया गया था। कुलपति महोदय को सम्बोधित पत्र में शोधार्थी ने निर्देशक, विभागाध्यक्ष, संकायाध्यक्ष आदि पर सहयोग नहीं करने की शिकायत की है।

कार्यालयादेश क्र. 61/2020/आ.खा.म.वि/93/476, दिनांक 30 नबंवर, 2021 द्वारा शोध निर्देशक डॉ. वीरेन्द्र प्रताप यादव को उक्त शोधार्थी के निर्देशन कार्य से मुक्त करने संबंधी आदेश प्राप्त हुआ है।

निर्णय : विभागाध्यक्ष को शोध निर्देशक नियुक्त करने के लिए अधिकृत किया गया।

मद संख्या : 04

सत्र : 2020-21 में पी-एच.डी. शोधार्थियों के लिए निर्देशक का आवंटन।

22 नबंवर, 2021 को सत्र : 2020-21 के पी-एच.डी. शोधार्थियों से शोध विषय के क्षेत्र संबंधित चर्चा की गई। शिक्षकों और शोधार्थियों की संयुक्त बैठक में शिक्षकों की विशेषज्ञता तथा शोधार्थियों की योग्यता और रूची को ध्यान में रखकर निर्देशक आवंटन का निर्णय लिया गया। **श्री नरेन्द्र बखला** ने जनजातियों के स्वास्थ्य, पारंम्परिक औषधी और उपचार पद्धति पर तथा **सुश्री ज्योति मिश्रा** ने आपदा प्रबंधन और विकास पर कार्य करने की रूची दिखायी। **सुश्री ज्योति मिश्रा** विज्ञान से स्नातक है इसलिए यह विषय उसके लिए उपयुक्त माना गया। **श्री नरेन्द्र बखला** के मार्ग दर्शन को **प्रो. फरहद मलिक** और **सुश्री ज्योति मिश्रा** को **डॉ. निशीथ राय** के मार्ग दर्शन में कार्य करने की सहमति प्राप्त हुई है। **श्री शिवशंकर यादव** ने अपने दस्तावेज जमा करने के उपरांत अब तक सम्पर्क नहीं किया है।

निर्णय : निर्णय लिया गया कि प्रो. फरहद मलिक के मार्गदर्शन में श्री नरेन्द्र बखला कार्य करेंगे और डॉ. निशीथ राय के मार्गदर्शन में सुश्री ज्योति मिश्रा कार्य करेगी तथा डॉ. वीरेन्द्र प्रताप यादव के मार्गदर्शन में श्री शिवशंकर यादव कार्य करेंगे और श्री शिवशंकर यादव डॉ. वीरेंद्र प्रताप यादव से संपर्क कर विभागाध्यक्ष को सूचना देंगे।

आभार ज्ञापन के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

ऑनलाइन	ऑनलाइन	ऑनलाइन	[signature]
(प्रो. अरुण कुमार)	**(प्रो. ए.एन.शर्मा)**	**(डॉ. पंकज उपाध्याय)**	**(प्रो.फरहद मलिक)**
बाह्य विशेषज्ञ	बाह्य विशेषज्ञ	पूर्व विद्यार्थी सदस्य	सदस्य

ऑनलाइन	[signature]
(डॉ. निशीथ राय)	**(प्रो. मनोज कुमार)**
सदस्य	विभागाध्यक्ष

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha
(संसद द्वारा पारित अधिनियम1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत संचालित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University Established by parliament by Act No. 3 of 1997)

मानवविज्ञान विभाग

दिनांक : 10/02/2022

अध्ययन मंडल (BOS) की बैठक

दिनांक : 10 फरवरी, 2022 (शाम : 04:00 बजे)

कार्यवृत्त

मानवविज्ञान विभाग के अध्ययन मंडल (BOS) की बैठक ऑनलाइन माध्यम से 10 फरवरी, 2022 को अपराह्न 04:00 बजे से अहुत हुई। बैठक में निम्न मुद्दों पर विचार किया गया -

मद संख्या : 01 पिछली बैठक दिनांक 04 दिसम्बर, 2021 में लिए गए निर्णयों/कार्यवाही की पुष्टि एवं निर्णय के अनुसरण में की गई अनुवर्ती।

I. एम.फिल. (सत्र: 2019-21) के शोधार्थी **(1) श्री डाकेश्वर (2) सुश्री आसिफा शमशेर शेख (3) श्री अरूणेश कुमार** के शोध प्रगति के संबंध में प्रतिवेदन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के संलग्न पत्र क्रमांक F.No.1-10/2020 (CPP-II) दिनांक 01 दिसंबर, 2021 के आलोक में अवधि विस्तारित किया गया।

II. **सत्र : 2020-21 में पी-एच.डी. शोधार्थियों के लिए निर्देशक का आवंटन।**

निर्णय : 22 नबंवर, 2021 को सत्र : 2020-21 के पी-एच.डी. शोधार्थियों से शोध विषय के क्षेत्र संबंधित चर्चा की गई। शिक्षकों और शोधार्थियों की संयुक्त बैठक में शिक्षकों की विशेषज्ञता तथा शोधार्थियों की योग्यता और रूची को ध्यान में रखकर शोध निर्देशक के आवंटन का निर्णय लिया गया।

क्र. सं.	शोधार्थी का नाम	आवंटित शोध निर्देशक
1.	श्री नरेन्द्र बखला	प्रो. फरहद मलिक
2.	श्री शिवशंकर यादव	डॉ. विरेंद्र प्रताप यादव
3.	सुश्री ज्योति मिश्रा	डॉ. निशीथ राय

III. **सुश्री आरिफा खातुन के पी-एच.डी. शोध के संबंध में विभागाध्यक्ष को शोध निर्देशक नियुक्त करने के लिए अधिकृत किया गया।**

निर्णय : विभागाध्यक्ष द्वारा सुश्री आरिफा खातुन के पी-एच.डी. शोध निर्देशक की नियुक्ति की गई।

सुश्री आरिफा खातुन	डॉ. प्रियंका मिश्रा- शोध निर्देशक
	डॉ. शैलेन्द्र कुमार मिश्रा- सह-शोध निर्देशक

उपयुक्त निर्णय अध्ययन मंडल तथा विद्यापीठ मंडल से विद्यापरिषद की बैठक में अनुमोदनार्थ प्रेषित किया गया।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत संचालित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University Established by parliament by Act No. 3 of 1997)

मद संख्या : 02 विश्वविद्यालय द्वारा जारी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसरण में कार्यक्रम के पाठ्यक्रम की पाठ्यचर्या के प्रारूप पर विचार।

निर्णय : राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसरण में कार्यक्रम की पाठ्यचर्या के प्रारूप पर विचार किया गया। कुछ संशोधनों के साथ पाठ्यचर्या स्वीकृत किया गया।

बाह्य विषय विशेषज्ञ प्रो. ए.एन. शर्मा ने प्रस्ताव दिया कि NEP सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा का नोमक्लेचर किया जाए ताकी इसका लाभ विद्यार्थियों ले सकें।

(संलग्न पृष्ठ संख्या 1-38)

मद संख्या : 03 विभिन्न पाठ्यचर्याओं में आंशिक संशोधन के संबध में।

निर्णय : एम.ए. मानवविज्ञान पाठ्यक्रम (2020-21) LOCF आधारित पाठ्यक्रम में आंशिक संशोधन प्रस्ताव अनुमोदित किया गया। **(संलग्न पृष्ठ संख्या 74-92)**

आभार ज्ञापन के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

ऑनलाइन
(प्रो. अरुण कुमार)
बाह्य विशेषज्ञ

ऑनलाइन
(प्रो. ए.एन.शर्मा)
बाह्य विशेषज्ञ

ऑनलाइन
(डॉ. पंकज उपाध्याय)
पूर्व विद्यार्थी सदस्य

(प्रो.फरहद मलिक)
सदस्य

(डॉ. वीरेन्द्र प्रताप यादव)
आमंत्रित सदस्य

(डॉ. निशीथ राय)
सदस्य

(प्रो. मनोज कुमार)
विभागाध्यक्ष

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997 क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University Established by parliament by Act No. 3 of 1997)

नैक द्वारा 'A' ग्रेड प्रदत्त / NAAC Accreditation 'A' Grade

मानवविज्ञान विभाग

दिनांक : 12 अप्रैल, 2022

अध्ययन मंडल (BOS)बैठक

दिनांक : 12 अप्रैल, 2022

कार्यवृत्त

मानवविज्ञान विभाग के अध्ययन मंडल (BOS) की बैठक दिनांक 12 अप्रैल, 2022 को अपराह्न 04:00 बजे **ऑनलाइन** माध्यम से सम्पन्न हुई। अध्ययन मंडल के बाह्य विशेषज्ञों, आंतरिक सदस्यों, भूतपूर्व विद्यार्थी प्रतिनिधि की हैंग आउट एवं ई मेल द्वारा चर्चा के बाद निम्नलिखित निर्णयों/कार्यवाहियों की पुष्टि की गई :

1. पिछली बैठक दिनांक 10 फरवरी, 2022 में लिए गए निर्णयों/ कार्यवाहियों की **पुष्टि की गई।**
2. पत्रांक क्र. 19/PVC/2022/625 दिनांक 09/04/2022 के परिपत्र के अनुसरण में पी-एच.डी. पाठ्यक्रम में **संशोधन किया गया। (संलग्नक : 01)**

आभार ज्ञापन के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

ऑनलाइन
(प्रो. अरुण कुमार)
बाह्य विशेषज्ञ

ऑनलाइन
(प्रो. ए.एन.शर्मा)
बाह्य विशेषज्ञ

अनुपस्थित
(डॉ. पंकज उपाध्याय)
पूर्व विद्यार्थी सदस्य

(प्रो. फरहद मलिक)
सदस्य

(डॉ. वीरेन्द्र प्रताप यादव)
विशेष आमंत्रित सदस्य

12/4/22
(डॉ. निशीथ राय)
सदस्य

ऑनलाइन
प्रो. मनोज कुमार
विभागाध्यक्ष

06/12/2022 10:02

मानवविज्ञान विभाग

दिनांक : 13 सितंबर, 2021

अध्ययन मंडल (BOS)बैठक

दिनांक : 13 सितंबर, 2021

कार्यवृत्त

मानवविज्ञान विभाग के अध्ययन मंडल की बैठक आज दिनांक 13 सितंबर, 2021 को सम्पन्न हुई। अध्ययन मंडल के बाह्य विशेषज्ञों, आंतरिक सदस्यों, भूतपूर्व विद्यार्थी प्रतिनिधि की हैंग आउट एवं ई-मेल द्वारा चर्चा के बाद निम्नलिखित निर्णयों/कार्यवाही की पुष्टि की गई :

1. पिछली बैठक दिनांक 02 जून, 2021 में लिए गए निर्णयों/कार्यवाही की **पुष्टि की गई।**
2. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर की पाठ्यचर्या निर्माण कर सहमती ली गई। (संलग्नक - 1)
3. पी-एच.डी. (सत्र 2015-16) के शोधार्थी श्री रामदेव जूर्री के शोध शिर्षक में आंशिक संशोधन किया गया।
   निर्णय : शोधार्थी श्री रामदेव जूर्री का परिवर्तीत शोध शिर्षक **' जनजातीय संस्कृति में महुआ का सामाजिक-सांस्कृतिक महत्व : निरंतरता एवं परिवर्तन (छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले की जनजातियों के विशेष संदर्भ में)'**
4. पी-एच.डी. (सत्र 2016-17) के शोधार्थी श्री राजीव कुमार के शोध शिर्षक में आंशिक संशोधन किया गया।
   निर्णय : शोधार्थी श्री राजीव कुमार का परिवर्तीत शोध शिर्षक **'वर्धा के नव-बौद्धों का नृजातिवर्णनात्मक अध्ययन'**
5. अन्य मूद्दे/ विषय: पाठ्यचर्या की संदर्भ सूचीयों को परिष्कृत करने तथा हिंदी माध्यमों की पुस्तकों की सूची उपलब्ध कराने का निवेदन बाह्य विशेषज्ञ तथा भूतपूर्व विद्यार्थी सदस्य से किया गया।

ऑनलाइन	ऑनलाइन	ऑनलाइन
(प्रो. अरुण कुमार) बाह्य विशेषज्ञ	(प्रो. ए.एन.शर्मा) बाह्य विशेषज्ञ	(डॉ. पंकज उपाध्याय) पूर्व विद्यार्थी सदस्य
13.09.21	13/09/2021	13/9/21
(प्रो. फरहद मलिक) सदस्य	(डॉ. वीरेन्द्र प्रताप यादव) विशेष आमंत्रित सदस्य	(डॉ. निशीथ राय) सदस्य

प्रो. मनोज कुमार 13/09/2021
विभागाध्यक्ष

मानवविज्ञान विभाग

दिनांक : 02 जून, 2021

अध्ययन मंडल (BOS) बैठक

दिनांक : 02 जून, 2021

कार्यवृत्त

मानवविज्ञान विभाग के अध्ययन मंडल की बैठक आज दिनांक 02 जून,2021 को सम्पन्न हुई ।अध्ययन मंडल के बाह्य विशेषज्ञों, आंतरिक सदस्यों, भूतपूर्व विद्यार्थी प्रतिनिधि की ऑनलाइन चर्चा के बाद निम्नलिखित निर्णयों/ कार्यवाही की पुष्टि की गई :

1. पिछली बैठक दिनांक 28अक्टूबर, 2020 में लिए गए निर्णयों/कार्यवाही की **पुष्टि की गई।**

2. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 तथा विश्वविद्यालय द्वारा जारी प्रारूप को **स्वीकार** करते हुए बी.ए., एम.ए., पाठ्यचर्या/ **कोर्स की संरचना आगामी बैठकों में तैयार करने पर सहमती बनी।**

3. पीएच.डी.पाठ्यचर्या / कोर्स अध्ययन मंडल के समक्ष स्वीकृति हेतु रखा गया।
निर्णय : स्वीकृत

4. **एम.फिल. शोधार्थियों के शीर्षक में कोरोना संकट के कारण आंशिक संशोधन किया गया।**

निर्णय : 1. 'पुनरावर्ती बाढ़ आपदा प्रबंधन के विकासात्मक प्रतिरूपों का मानवशास्त्रीय विश्लेषण (उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के विशेष संदर्भ में)'– शोधार्थी : अरुणेश कुमार

2 मदारी समुदाय के सामाजिक-आर्थिक जीवन का अध्ययन (महाराष्ट्र के वर्धा जिले के विशेष संदर्भ में) - शोधार्थी : आसिफा समशेर शेख

5. **पीएच.डी. (सत्र 2016-17) में प्रवेशित पीएच.डी. शोधार्थी के शोध विस्तार के संबंध में –**
पीएच.डी. शोधार्थी सुश्री गुंजन सिंह एवं राजीव कुमार (सत्र 2016-17) को कोरोना काल में विश्वविद्यालय द्वारा शोध विस्तार से संबंधित जारी परिपत्र क्रमांक 04A-UGC/MOE/2020-21/276 दिनांक 28/5/2021 अनुसार शोध विस्तार दिए जाने का निर्णय लिया गया। (सलग्न : विश्वविद्यालय द्वारा जारी परिपत्र दि.28/5/2021)

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997 क्रमांक 3के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University Established by parliament by Act No. 3 of 1997)
नैक द्वारा 'A' ग्रेड प्रदत्त / NAAC Accreditation 'A' Grade

पीएच.डी. शोधार्थी श्री रामदेव जुर्री (सत्र 2015-16) को कोरोना काल में विश्वविद्यालय द्वारा शोध विस्तार से संबंधित जारी परिपत्र क्रमांक 04A-UGC/MOE/2020-21/276 दिनांक 28/5/2021 अनुसार शोध विस्तार दिए जाने का निर्णय लिया गया। (संलग्न : विश्वविद्यालय द्वारा जारी परिपत्र दि.28/5/2021)

पी.एच.डी. शोधार्थी श्री लखन लला विश्वकर्मा (सत्र 2014-15) के संदर्भ में अध्ययन मंडल के बाह्य विशेषज्ञ एवं भूतपूर्व विद्यार्थी द्वारा शोधार्थी के हित को देखते हुए **डी-रजिस्ट्रेशन का सुझाव दिया गया।**

बी.ए. षष्ठम (सत्र 2018-21) एवं एम.ए. चतुर्थ (सत्र2019-21) सेमेस्टर के क्षेत्रकार्य के पेपर के संदर्भ में निर्णय लिया गया कि **सिर्फ इसी सत्र हेतु वर्तमान सत्र के क्षेत्रकार्य के पेपर को 'क्षेत्रकार्य रिपोर्ट' के स्थान पर 'आभासी क्षेत्रकार्य रिपोर्ट'** किया जाए।

अन्य मूद्दे/ विषय: पाठ्यचर्या की संदर्भ सूचीयों को परिष्कृत करने तथा हिंदी माध्यमों की पुस्तकों की सूची उपलब्ध कराने का निवेदन बाह्य विशेषज्ञ तथा भूतपूर्व विद्यार्थी सदस्य से किया गया।

ऑनलाइन
(प्रो. अरुण कुमार)
बाह्य विशेषज्ञ

ऑनलाइन
(प्रो. ए.एन.शर्मा)
बाह्य विशेषज्ञ

ऑनलाइन
(डॉ. पंकज उपाध्याय)
पूर्व विद्यार्थी सदस्य

ऑनलाइन
(प्रो. फरहद मलिक)
सदस्य

ऑनलाइन
(डॉ. वीरेन्द्र प्रताप यादव)
विशेष आमंत्रित सदस्य

ऑनलाइन
(डॉ. निशीथ राय)
सदस्य

प्रो.कृपाशंकर चौबे
विभागाध्यक्ष

मानवविज्ञान विभाग

दिनांक : 28 अक्टूबर, 2020

अध्ययन मंडल (BOS) बैठक

दिनांक : 28 अक्टूबर, 2020

कार्यवृत्त

मानवविज्ञान विभाग के अध्ययन मंडल की बैठक आज दिनांक 28 अक्टूबर, 2020 को सम्पन्न हुई। अध्ययन मंडल के बाह्य विशेषज्ञों, आंतरिक सदस्यों, भूतपूर्व विद्यार्थी प्रतिनिधि की हैंगआउट एवं ईमेल द्वारा चर्चा के बाद निम्नलिखित निर्णयों/कार्यवाही की पुष्टि की गई :

1. पिछली बैठक दिनांक 23 अप्रैल, 2020 में लिए गए निर्णयों/कार्यवाही की पुष्टि की गई।

2. विश्वविद्यालय द्वारा दिए गए LOCF प्रारूप के अनुसरण में मानवविज्ञान स्नातक एवं परास्नातक पाठ्यचर्या की पुनर्संरचना के संबंध में :

   निर्णय : स्वीकृत

   संलग्नक : 1. स्नातक पाठ्यचर्या (पृ.स. 01 से 50 तक)

   2. परास्नातक पाठ्यचर्या (पृ.सं. 01 से 97)

नोट : बाह्य विशेषज्ञ प्रो. ए. एन. शर्मा ने सुझाव दिया कि यू.जी.सी. द्वारा जारी किए गए मानवविज्ञान के LOCF पाठ्यचर्या को ही अपनाना होगा।

3. पी-एच.डी. कोसवर्क पाठ्यचर्या की पुर्नसरचना के संबंध में

   निर्णय :

   पी-एच.डी. अध्यादेश क्र. 45/2020 के आलोक से संशोधित पाठ्यचर्या को स्वीकृत किया गया। (संलग्नक 3)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997 क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University Established by parliament by Act No. 3 of 1997)
नैक द्वारा 'A' ग्रेड प्रदत्त / NAAC Accreditation 'A' Grade

ज्ञान शांति मैत्री

4. एम.फिल. (2019-20) के शोधार्थियों के शोध विषय के संबंध में –

निर्णय :

क्र.	शोध विषय	शोधार्थी
1	कोरोना महामारी का ग्रामीण क्षेत्र की सामाजिक-आर्थिक स्थिति पर प्रभाव (बिहार के बक्सर जिले के विशेष संदर्भ में)	श्री दीपक कुमार
2	बाढ़ आपदा प्रबंधन के देशज उपागम (उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले के विशेष संदर्भ में)	श्री अरुणेश कुमार
3	मदारी समुदाय के सामाजिक-आर्थिक जीवन का अध्ययन (महाराष्ट्र के अमरावती जिले के विशेष संदर्भ में)	सुश्री आसिफा समशेर शेख
4.	पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में पोषण एवं स्वास्थ्य स्थिति (छत्तीसगढ़ के धमतारी जिले के गोंड जनजाति के विशेष संदर्भ में)	श्री डाकेश्वर

5. पी-एच.डी. शोधार्थी श्री महेन्द्र कुमार जायसवाल के शोध विषय के संबंध में –

निर्णय :

'महाराष्ट्र की कोरकू जनजाति में लोक चिकित्सा'

(Flok Medicine among the Korku tribe of Maharashtra)

शोधार्थी को संशोधित शोध प्रारूप दिनांक 27.11.2020 तक प्रस्तुत करना होगा, तत्पश्चात अध्ययन मंडल की विशेष बैठक (प्रस्तावित दिनांक 30/11/2020) में उक्त शोध प्रस्ताव पर शोधार्थी को प्रस्तुति देनी होगी।

ऑनलाइन उपस्थित
(प्रो. अरुण कुमार)
बाह्य विशेषज्ञ

ऑनलाइन उपस्थित
(प्रो. ए.एन.शर्मा)
बाह्य विशेषज्ञ

ऑनलाइन उपस्थित
(डॉ. शैलेन्द्र कुमार वर्मा)
पूर्व विद्यार्थी सदस्य

28.10.20
(प्रो. फरहद मलिक)
सदस्य

28/10/2020
(डॉ. वीरेन्द्र प्रताप यादव)
सदस्य

28/10/2020
(डॉ. निशीथ राय)
विशेष आमंत्रित सदस्य

28.10.2020
प्रो. कृपाशंकर चौबे
विभागाध्यक्ष

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
मानवविज्ञान विभाग
अध्ययन मंडल की बैठक

दिनांक 23 अप्रैल 2020

कार्यवृत्त

मानवविज्ञान विभाग के अध्ययन मंडल की बैठक आज दिनांक : 23 अप्रैल 2020 को अपराह्न 3.30 बजे संपन्न हुई। कोरोना महामारी के कारण देश लॉकडाउन में है। इसलिए यह बैठक ऑनलाइन आयोजित की गयी। जिसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए –

1. प्रो. कृपाशंकर चौबे - अध्यक्ष
2. प्रो. अरुण कुमार - बाह्य विषय विशेषज्ञ (वाट्सएप्प वीडियो द्वारा)
3. प्रो. ए. एन. शर्मा - बाह्य विषय विशेषज्ञ (हैंगआउट मीट ऐप द्वारा)
4. प्रो. फरहद मलिक - सदस्य
5. डॉ. वीरेन्द्र प्रताप यादव - सदस्य
6. डॉ निशीथ राय - विशेष आमंत्रित सदस्य
7. डॉ. शैलेन्द्र कुमार वर्मा - सदस्य (भूतपूर्व विद्यार्थी) (वाट्सएप्प वीडियो द्वारा)

उक्त बैठक में निम्नलिखित निर्णय लिए गए –

1. बी.ए.-एम.ए. (एकीकृत) मानवविज्ञान पाठ्यचर्या में संशोधन करने के संबंध में – परिपत्र क्रमांक 009/PVC/2020जा.क्र./049 दिनांक 15/04/2020 के अनुसार पाठ्यचर्या संशोधित कर स्वीकृति हेतु प्रस्तुत। (प्रारूप संलग्नक-1)

निर्णय : अनुमोदित

2. एम.ए. मानवविज्ञान पाठ्यचर्या में संशोधन करने के संबंध में – परिपत्र क्रमांक 009/PVC/2020जा.क्र./049 दिनांक 15/04/2020 के अनुसार पाठ्यचर्या संशोधित कर स्वीकृति हेतु प्रस्तुत। (प्रारूप संलग्नक-2)

निर्णय : अनुमोदित

3. पी.एच.डी. कोर्सवर्क एवं एम.फिल. पाठ्यचर्या में शोध प्रविधि संबंधी पाठ्यक्रम में परिपत्र क्रमांक 009/PVC/2020जा.क्र./049 दिनांक 15/04/2020 के अनुसार, प्लैगरिज्म (Plagiarism) एवं कॉपीराइट (Copyright) विषय सम्मिलित किए जाने के संबंध में।

निर्णय : अनुमोदित

4. विश्वविद्यालय द्वारा जारी अधिसूचना पत्रांक:04/पारी/एम.फिल./मू.अ./2019/59A, दिनांक 28 अगस्त 2019 के अनुपालन में एम.फिल. मानवविज्ञान की 60 क्रेडिट की पाठचर्या को 80 क्रेडिट (कोर्स वर्क 20 क्रेडिट, लघु शोध प्रबंध 40 क्रेडिट एवं मौखिकी 20 क्रेडिट) किए जाने के संबंध में। (प्रारूप संलग्नक-3)

निर्णय : अनुमोदित

5. एम.फिल. (सत्र2019-20) के शोधार्थियों के शोध निर्देशक आवंटित करने के संबंध में।

शोधार्थी	शोध निर्देशक (प्रस्तावित)
श्री डाकेश्वर :	प्रो. फरहद मलिक
सुश्री आसिफा शमशेर शेख :	प्रो. फरहद मलिक
श्री दीपक कुमार :	डॉ. वीरेन्द्र प्रताप यादव
श्री अरूणेश कुमार :	डॉ. निशीथ राय

निर्णय : अनुमोदित

6. पी.एच.डी. (सत्र 2018-19) के शोधार्थी श्री किशन पाठक एवं श्री महेन्द्र कुमार जायसवाल के शोध निदेशक एवं शोध विषय आवंटित करने के संबंध में।

शोधार्थी	शोध निर्देशक (प्रस्तावित)	शोध विषय
श्री किशन पाठक :	प्रो. फरहद मलिक	उत्तर प्रदेश की बेड़िया महिलाओं का सामाजिक-सांस्कृतिक व स्वस्थ्य वृतांत (Socio-Cultural and Health profile of Bedia women of Uttar Pradesh)
श्री महेन्द्र कुमार जायसवाल:	प्रो. फरहद मलिक	

निर्णय : अनुमोदित

7. अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषय।

डॉ निशीथ राय	डॉ. वीरेन्द्र प्रताप यादव	प्रो. फरहद मलिक	प्रो. कृपाशंकर चौबे
विशेष आमंत्रित सदस्य	सदस्य	सदस्य	अध्यक्ष

185

BOS 22/08/2019

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antrrastriya Hindi Viswavidyalaya, Wardha

मानवविज्ञान विभाग

अध्ययन मंडल की बैठक

दिनांक : 22 अगस्त, 2019

कार्यवृत्त

मानवविज्ञान विभाग के अध्ययन-मण्डल की बैठक आज दिनांक : 22/08/2019 को पूर्वाह्न : 10:30 बजे विभागाध्यक्ष कक्ष, मानवविज्ञान विभाग में संपन्न हुई, जिसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए –

1. प्रो. फरहद मलिक – अध्यक्ष
2. प्रो. मिताश्री मित्रा – बाह्य विषय विशेषज्ञ
3. डॉ. राम गंभीर – बाह्य विषय विशेषज्ञ
4. डॉ. वीरेन्द्र प्रताप यादव – सदस्य
5. डॉ. शैलेन्द्र कुमार वर्मा – सदस्य (भूतपूर्व विद्यार्थी)

उक्त बैठक में निम्नलिखित निर्णय लिया गए –

1. **एम.ए. मानवविज्ञान की पाठ्यचर्या की पुन: संरचना के संबंध में –**

   निर्णय :

   (1) विश्वविद्यालय के कार्यालयादेश क्रमांक : 005/2018/DA&R/01/614, दिनांक : 08.08.2019 के तहत आधार भाषा एवं अनिवार्य कम्प्यूटर के पाठ्यक्रम को बंद किया गया है। उक्त परिस्थिति को संज्ञान में लेते हुए सी.बी.सी.एस. आधारित एम.ए. मानवविज्ञान के पाठ्यचर्या के पेपर, उनके कोड एवं क्रेडिट (संलग्न-1 के अनुसार) की पुनरसंरचना की गई है एवं 'जनजातीय भारत' और 'सामाजिक संस्थाए' पेपर का पुन: निर्माण करके 02 क्रेडिट के स्थान पर 04 क्रेडिट किया गया है। (संलग्न : 2-3)

   (2) विभाग द्वारा अन्य विभाग के विद्यार्थियों हेतु ऐच्छिक विषय जनजातीय भारत (04 क्रेडिट), पारिस्थितिकीय मानवविज्ञान (02 क्रेडिट), विकासात्मक मानवविज्ञान (02 क्रेडिट), फोरेंसिक मानवविज्ञान (02 क्रेडिट), सामाजिक विज्ञान की शोध प्रविधियाँ (04 क्रेडिट) का अध्यापन किया जाएगा।

   (3) टर्म पेपर में नवाचार (पाठ्यक्रम के लिए उपयोगी आदिवासी डाक्योमेंटरीज, जनजातीय विकास की योजनाएँ आदि) का प्रयोग किया जाएगा।

2. **बी.ए. – एम.ए. एकीकृत (मानवविज्ञान) (पंचम एवं षष्टम सेमेस्टर) की पाठ्यचर्या के संबंध में –**

   निर्णय : बी.ए.–एम.ए. एकीकृत (मानवविज्ञान) के पंचम एवं षष्ठक सेमेस्टर की पाठ्यचर्या का निर्माण UGC मार्गदर्शिका के अनुसार किया गया है (संलग्न :) जिसका हिंदी भाषा के अनुवाद के लिए अध्ययन मण्डल के अध्यक्ष को अधिकृत किया गया है। साथ ही बी.ए. – एम.ए. एकीकृत (मानवविज्ञान) पाठ्यक्रम हेतु पाठ्यचर्या में निम्नलिखित आंशिक परिवर्तन किया गया।

   - पंचम सेमेस्टर के द्वितीय पेपर 'Human Growth Nutrition and Physiology' के शीर्षक को परिवर्तित का 'मानव समृद्धि एवं विकास' किया गया है।
   - पंचम सेमेस्टर के चतुर्थ पेपर में 'जनजातीय भारत' (Tribal India) के शीर्षक को बदलकर 'Tribes and Peasants in India' किया गया है।
   - षष्ठम सेमेस्टर के प्रथम पेपर का शीर्षक 'Indian Anthropology' से परिवर्तित कर 'Anthropology of India' किया गया है1
   - षष्ठम सेमेस्टर के द्वितीय पेपर 'Recent Trends in Anthropological Thoughts' के स्थान पर 'साहित्य का मानवविज्ञान' का चयन किया गया है।

3. **पी-एच.डी. (सत्र 2015-16) में प्रवेशित पी-एच.डी. शोधार्थी के शोध विस्तार के संबंध में –**

   निर्णय : पी-एच.डी. अध्यादेश क्रमांक 45/ 2009 के पैरा नं. 7.3 के आलोक में अध्ययन मण्डल द्वारा सत्र 2015-16 में प्रवेषित चारों शोधार्थियों **(रामचंद्र, शिवशंकर पटेल, रामदेव जुर्री, शिवबाबू)** को उनके प्रवेश तिथि से एक वर्ष की शोध समयावधि का विस्तार किया जाता है।

4. **श्री तरनदेव जगन्नाथ के पी-एच.डी. पंजीयन निरस्तीकरण की कार्येत्तर स्वीकृति के संबंध में –**

   निर्णय : स्वीकृत

अध्यक्ष के धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक संपन्न हुई।

डॉ. शैलेन्द्र कुमार वर्मा
(भूतपूर्व विद्यार्थी)

डॉ. वीरेन्द्र प्रताप यादव
(सदस्य)

22/8/2019
डॉ. राम गंभीर
(बाह्य सदस्य)

22/8/2019
प्रो. मिताश्री मित्रा
(बाह्य सदस्य)

22.8.19
प्रो. फरहद मलिक
(अध्यक्ष)

कार्यवृत्त

आज दिनांक 10.05.2019 को सुबह 10.30 बजे मानवविज्ञान विभाग के अध्ययन मण्डल की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुये-

1. प्रो . फरहद मलिक (अध्यक्ष)
2. डॉ. राम गंभीर (बाह्य सदस्य)
3. डॉ. वीरेन्द्र प्रताप यादव (सदस्य)

उक्त बैठक में निम्नलिखित निर्णय लिए गए-

(1) पी–एच.डी. शोधार्थी श्री प्रफुल्ल कुमार साहू एवं श्री नवलेश राम के शोध विषय एवं शोध निर्देशक के संबंध में–

निर्णयः– A. शोधार्थी श्री प्रफुल्ल कुमार साहू का शोध विषयः
यातायात पुलिस कर्मियों की स्वास्थ्य स्थिति (विदर्भ क्षेत्र के विशेष संदर्भ में)
Health Status of Traffic Police Personnel (with special reference to Vidarbh region)
शोध निर्देशकः प्रो. फरहद मलिक

B. शोधार्थी श्री नवलेश राम के शोध विषयः–
गोंड पुरूषों की प्रजनन स्वास्थ्य स्थिति तथा सांस्कृतिक व्यवहार (महाराष्ट्र राज्य के वर्धा जिले के विशेष संदर्भ में)
Male Reproductive Health Status and Cultural Practices among the Gond (with special reference to Wardha district of Maharashtra State).

शोध निर्देशकः प्रो. फरहद मलिक

साथ ही दोनों शोधार्थियों को दिए गए सुझाव के अनुरूप संशोधित शोध प्रारूप दो माह के भीतर विभाग में जमा करने के लिए निर्देशित किया गया है–

(2) पी–एच.डी. शोधार्थी श्री रामदेव जुर्री (सत्र 2015–16) के शोध विषय में आंशिक संशोधन के संबंध में–

निर्णयः– शोधार्थी श्री रामदेव जुर्री के शोध विषय में निम्नानुसार आंशिक संशोधन किया गया है–

आदिवासी संस्कृति के संदर्भ में महुआ का सामाजिक–सांस्कृतिक महत्वः निरन्तरता एवं परिवर्तन (छत्तीसगढ के कांकेर जिले के आदिवासियों के विशेष संदर्भ में)

Socio-Cultural Significance of Mahua in context of Tribal Culture: Continuity and Change (with special reference to Tribes of Kanker district of Chhatisgarh.

(3) एम. फिल. मानवविज्ञान (सत्र 2018–19) के शोधार्थी श्री विवेक कुमार, श्री नंदकिशोर यादव एवं श्री शशिकांत के शोध विषय एवं शोध निर्देशक के संबंध में।

10/05/19

निर्णयः— A.शोधार्थी श्री विवेक कुमार के शोध विषयः
कोरकू जनजाति की लोक कथाओं का मानवशास्त्रीय अध्ययन (अमरावती जिले के विशेष संदर्भ में)

शोध निर्देशकः— डॉ. वीरेन्द्र प्रताप यादव

B. शोधार्थी श्री शशिकांत कुमार के शोध विषयः
युवाओं पर मोबाइल फोन का प्रभावः एक मानवशास्त्रीय विश्लेषण (वर्धा जिले के विशेष संदर्भ में)

शोध निर्देशकः— डॉ निशीथ राय

C. शोधार्थी श्री नंदकिशोर यादव के शोध विषयः
यवतमाल की कोलाम जनजाति के लोक औषधीय ज्ञान और परम्परागत् स्वास्थ्य संबंधी प्रथाओं का मानवशास्त्रीय अध्ययन

शोध निर्देशकः प्रो. फरहद मलिक

(4) स्नातक मानवविज्ञान (पंचम एवं षष्ठम सेमेस्टर) की पाठ्यचर्या के निर्माण के संबंध में।

निर्णयः— स्नातक मानवविज्ञान (पंचम एवं षष्ठम सेमेस्टर) की पाठ्यचर्या निर्धारित प्रारूप के अनुसार तैयार की गई परंतु अंतिम रूप देने हेतु आगामी अध्ययन मण्डल (जुलाई—अगस्त, 2019) में प्रस्तुत की जाएगी।

अनुपस्थित
डॉ. शैलेन्द्र कुमार
(भूतपूर्व विद्यार्थी)

डॉ. राम गंभीर
(बाह्य सदस्य)

अनुपस्थित
प्रो. मिताश्री मित्रा
(बाह्य सदस्य)

10/05/19
डॉ. वीरेन्द्र प्रताप यादव
(सदस्य)

10.5.19
प्रो . फरहद मलिक
(अध्यक्ष)

कार्यवृत्त

दिनांक 30.08.2018 को सुबह 10:00 बजे अध्ययन मण्डल, मानवविज्ञान विभाग की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुये-

1. प्रो. फरहद मलिक (अध्यक्ष)
2. प्रो. मिताश्री मित्रा (बाह्य सदस्य)
3. डॉ. राम गंभीर (बाह्य सदस्य)
4. डॉ. वीरेन्द्र प्रताप यादव (सदस्य)
5. डॉ. निशीथ राय (सदस्य)

उक्त बैठक में निम्नलिखित निर्णय लिए गए-

1. पी-एच.डी. शोधार्थी श्रीमति दीपमाला त्रिपाठी, श्री लखनलाल विश्वकर्मा, श्री विजय कुमार कन्नौजिया एवं श्री ब्रजेन्द्र कुमार गौतम की शोध समयावधि विस्तार के संबंध में-
   निर्णय: उक्त शोधार्थियों द्वारा अभी तक पूर्व प्रस्तुति मौखिकी प्रस्तुत नहीं की गयी है। अतः शोध कार्य पूर्ण करने हेतु छः माह से अधिक समय लग सकता है। इस परिस्थिति में चारो शोधार्थियों को एक वर्ष की अतिरिक्त समयावधि का विस्तार किया जाता है।
2. एम.ए. मानवविज्ञान की पाठ्यचर्या (Syllabus) की पुर्नसंरचना के संबंध में-
   निर्णय:- बाह्य विषय विशेषज्ञ प्रो. मिताश्री मित्रा के सुझाव के अनुसार परास्नातक मानवविज्ञान पाठ्यक्रम के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा केंद्रीय स्तर पर एक पाठ्यचर्या के निर्माण का कार्य चल रहा हैं। इस प्रारूप को अपनाना सभी के लिए अनिवार्य होगा। अतः केंद्रीय स्तर की पाठ्यचर्या का प्रारूप प्राप्त होने के पश्चात इस विषय पर निर्णय लिया जाए।
3. शोधार्थी सुश्री आरीफ़ा खातून के द्वारा किए जा रहे पी-एच.डी. शोध कार्य के शीर्षक में आंशिक संशोधन के संबंध में-
   निर्णय:- सत्र 2013-14 में पी-एच.डी. मानवविज्ञान में प्रवेशित शोधार्थी सुश्री आरीफ़ा खातून की पी-एच.डी. पूर्व प्रस्तुति मौखिकी दिनांक 30.08.2018 को संपन्न हुई। समिति ने उनके शोध शीर्षक में आंशिक संशोधन के लिए अनुशंसा की है जिसको अध्ययन मण्डल बैठक में संज्ञान में लेते हुये आंशिक संशोधित शोध शीर्षक को अनुमोदित किया है।
4. सत्र 2017-18 के शोधार्थी श्री प्रफुल्ल साहू एवं श्री नवलेश राम के शोध प्रस्ताव की समीक्षा के लिए गठित शोध सलाहकार समिति के प्रतिवेदन के संबंध में-
   निर्णय:- उक्त को अध्ययन मण्डल द्वारा संज्ञान में लिया गया है।

आशुतोष कुमार भूतपूर्व छात्र प्रतिनिधि (अनुपस्थित)	डॉ. निशीथ राय (सदस्य)	डॉ. वीरेन्द्र प्रताप यादव (सदस्य)	डॉ. राम गंभीर (बाह्य सदस्य)	प्रो. मिताश्री मित्रा (बाह्य सदस्य)	प्रो. फरहद मलिक (अध्यक्ष)
	30/8/18	30/8/18		30/8/18	30.8.18

कार्यवृत्त

दिनांक 04.05.2018 को सुबह 11.00 बजे अध्ययन मण्डल, मानवविज्ञान विभाग की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुये-

1. प्रो. फरहद मलिक (अध्यक्ष)
2. प्रो. मिताश्री मित्रा (बाह्य सदस्य)
3. डॉ. राम गंभीर (बाह्य सदस्य)
4. डॉ. वीरेन्द्र प्रताप यादव (सदस्य)
5. डॉ. निशीथ राय (सदस्य)

उक्त बैठक में निम्नलिखित निर्णय लिए गए-

1. पी-एच.डी. शोधार्थी श्री शिव कुमार एवं श्री पंकज उपाध्याय के शोध प्रबंध के मूल्यांकन हेतु प्रेषित बाह्य विषय विशेषज्ञ सूची को कार्येत्तर स्वीकृति के संबंध में-
   निर्णय- स्वीकृत (संलग्नक-1 व 2)
2. एम.फिल. एवं पी-एच.डी. मानवविज्ञान पाठ्यक्रम के संबंध में-
   निर्णय- आगामी तीन वर्षों के लिए विभाग में निम्नलिखित शोध क्षेत्र (Thrust Area) तय किए गए-
   - *चिकित्सा का मानवविज्ञान*
   - *विकास का मानवविज्ञान*
   - *साहित्य का मानवविज्ञान*

   अतः शोध कार्य शोध क्षेत्र (Thrust Area) को केंद्र में रखकर किए जाएंगे।
3. एम.फिल. मानवविज्ञान की पाठ्यचर्या के संबंध में-
   निर्णय- स्वीकृत-संलग्नक 3 (1-7)
4. पी-एच.डी. पाठ्यक्रम के कोर्स वर्क की पाठ्यचर्या के संबंध में-
   निर्णय- पाठ्यचर्या स्वीकृत-संलग्नक 4(1-5), साथ ही यह भी निर्णय लिया गया कि पी-एच.डी. में प्रवेशित शोधार्थी जिन्होने मानवविज्ञान में एम.फिल. नहीं किया है उन्हे कोर्स वर्क करना अनिवार्य होगा।
5. पी-एच.डी. शोधार्थी श्री रामदेव जुर्री के शोध निर्देशक एवं संशोधित शोध प्रारूप के संबंध में-
   निर्णय-सत्र 2015-16 में प्रवेशित शोधार्थी श्री रामदेव जुर्री द्वारा संशोधित शोध प्रारूप जमा किया गया, उनका शोध विषय 'आदिवासी संस्कृति के संदर्भ में महुआ का सामाजिक-सांस्कृतिक महत्व: निरंतरता एवं परिवर्तन (बस्तर के आदिवासियों के विशेष संदर्भ में'
   'Socio-Cultural Significance of Mahua in context of Tribal Culture: Continuity and Change (With Special Reference to Tribes of Bastar)'
   शोध निर्देशक- प्रो. फरहद मलिक

(अनुपस्थित)
डॉ. आशुतोष कुमार (भूतपूर्व विद्यार्थी) | डॉ. निशीथ राय (सदस्य) | डॉ. वीरेन्द्र प्रताप यादव (सदस्य)

डॉ. राम गंभीर (बाह्य सदस्य) | प्रो. मिताश्री मित्रा (बाह्य सदस्य) | प्रो . फरहद मलिक (अध्यक्ष)

कार्यवृत्त

आज दिनांक 03.11.2017 को सुबह 10.30 बजे अध्ययन मण्डल, मानवविज्ञान विभाग की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुये-

1. प्रो . फरहद मलिक (अध्यक्ष)
2. प्रो. मिताश्री मित्रा (बाह्य सदस्य)
3. डॉ. राम गंभीर (बाह्य सदस्य)
4. डॉ. वीरेन्द्र प्रताप यादव (सदस्य)
5. डॉ. निशीथ राय (सदस्य)

उक्त बैठक में निम्नलिखित निर्णय लिए गए-

1. पी-एच.डी. शोधार्थी श्रीमती अर्चना भालकर एवं श्री रामचंद्र साहू के शोध प्रबंध के मूल्यांकन हेतु प्रेषित बाह्य विषय विशेषज्ञ सूची को कार्येत्तर स्वीकृति हेतु रखा गया

   निर्णय- स्वीकृत(संलग्नक 1,2)

2. पी-एच.डी. शोधार्थी सुश्री आरिफ़ा खातून एवं श्री शिव कुमार की समायावधि विस्तार करने के संबंध में।

   निर्णय- एक वर्ष की समयावधि विस्तार की जाती है

3. a) लेखा परीक्षा विभाग, मुंबई से प्राप्त ऑडिट 'पैरा 7' के अनुसार विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में स्वीकृत कुल सीटो की तुलना में प्रवेशित विद्यार्थियों की संख्या बहुत कम हैं। एम.ए. मानवविज्ञान पाठ्यक्रम में 30 सीट है परन्तु प्रवेशित विद्यार्थियों की संख्या कम है। **अतः आवंटित सीटो की संख्या समीक्षा उपरांत उचित निर्णय लेने के संबंध में।**

   ब) पाँच से कम विद्यार्थियों वाले पाठ्यक्रम (Course) को स्थगित किए जाने वाले विचारो से एम.ए. मानवविज्ञान प्रभावित हो सकता हैं। अतः समीक्षा के उपरांत विचार करने के संबंध में।

   निर्णय- संलग्नक 3

4. बी.एस.डब्लू. पाठ्यक्रम (Course) के पंचम सेमेस्टर के प्रश्नपत्र (Paper) 'आदिवासी विकास (Tribal Development)' की कार्येत्तर स्वीकृति एवं षष्ठम सेमेस्टर के प्रश्नपत्र (Paper) के निर्माण के संबंध में।

   निर्णय- बी.एस.डब्लू. पाठ्यक्रम (Course) के पंचम सेमेस्टर के प्रश्नपत्र (Paper) 'आदिवासी विकास (Tribal Development)' को स्वीकृत कर षष्ठम सेमेस्टर के प्रश्नपत्र (Paper) 'Field Work Based Report' (Part A: Identification of Problem and Pilot Survey तथा Part B: Field Work and Report Writing) को अनुमोदित किया गया।

5. बी.एस.डब्लू. पाठ्यक्रम (Course) के प्रथम सेमेस्टर के प्रश्नपत्र (Paper) 'Foundation Of Anthropology' के संशोधन के संबंध में।

   निर्णय- स्वीकृत (संलग्नक 4)

6. सत्र 2018-19 से बी.ए. मानवविज्ञान ऑनर्स पाठ्यक्रम (Course) शुरू करने के संबंध में।

3/11/2017

(33)

निर्णय- बी.ए.-एम.ए. एकीकृत (मानवविज्ञान) कोर्स आरंभ करने की स्वीकृति दी गई। (जो विद्यार्थी उक्त कोर्स के आरंभिक 03 वर्ष पूर्ण कर उत्तीर्ण कर उसे छोडते हैं उस स्थिति में उन्हें बी.ए. मानवविज्ञान (ऑनर्स) उपाधि दी जाएगी)

7. विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराए गए प्रारूप के तहत बी.ए. मानवविज्ञान (ऑनर्स एवं सामान्य) की पाठ्यचर्या (Syllabus) के निर्माण के संबंध में।

   निर्णय- संशोधन उपरांत अनुमोदन किया गाय। संलग्नक 5(1-10)

8. बी.ए. मानवविज्ञान (सामान्य) प्रथम सेमेस्टर के प्रश्न पत्र (Paper) की कार्येत्तर स्वीकृति के संबंध में।

   निर्णय: प्रश्नपत्र-2 के शीर्षक 'Concept in Social-Cultural Anthropology' को संशोधित करते हुये अनुमोदित किया जाता हैं। प्रश्नपत्र-2 के शीर्षक 'Concept in Social-Cultural Anthropology' के स्थान पर 'Fundamentals in Social-Cultural Anthropology' पढ़ा जाए।

9. एम.ए. मानवविज्ञान पाठ्यक्रम (Course) की पाठ्यचर्या (Syllabus) के संशोधन के संबंध में।

   निर्णय- संशोधन उपरांत अनुमोदन किया गाय। एम.ए. संलग्नक 6(1-10)

10. पी-एच.डी. शोधार्थी श्री रामदेव जुर्री के शोध विषय एवं शोध निर्देशक की स्वीकृति के संबंध में।

    निर्णय- शोधार्थी श्री रामदेव जुर्री द्वारा प्रस्तुत शोध प्रस्ताव के शीर्षक को संशोधित किया गया- आदिवासी संस्कृति के संदर्भ में महुआ का सामाजिक-सांस्कृतिक महत्व: निरंतरता एवं परिवर्तन (बस्तर के आदिवासियों के विशेष संदर्भ में

    Socio-Cultural Significance of Mahua in context of Tribal Culture: Continuity and Change (With Special Reference to Tribes of Bastar)

    संशोधित शोध प्रारूप को एक माह में जमा करने के लिए शोधार्थी को निर्देशित किया गया।

11. शोधार्थी लखनलाल विश्वकर्मा के शोध विषय में आंशिक संशोधन के संबंध में।

    निर्णय- शोधार्थी लखनलाल विश्वकर्मा के शोध विषय में निम्नलिखित आंशिक संशोधन किया गया- देशज ज्ञान: वन-संसाधन का संरक्षण एवं प्रबंधन

    (महाराष्ट्र राज्य के गड़चिरौली जिले के धनोरा तहसील के विशेष संदर्भ में)

    Indigenous Knowledge: Conservation and Management of Forest Resource

    (With special reference to Dhanora tehsil of Gadchiroli district of Maharashtra)

अनुपस्थित

डॉ. आशुतोष कुमार (भूतपूर्व विद्यार्थी)	डॉ. निशीथ राय (सदस्य)	डॉ. वीरेन्द्र प्रताप यादव (सदस्य)
3/11/2017	3/11/2017	
डॉ. राम गंभीर (बाह्य सदस्य)	प्रो. मिताश्री मित्रा (बाह्य सदस्य)	प्रो . फरहद मलिक (अध्यक्ष)

कार्यवृत्त

दिनांक 25 फरवरी, 2017 को मानवविज्ञान विभाग में अध्ययन मण्डल की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थित थे।

1. डॉ. फरहद मलिक, अध्यक्ष
2. श्री वीरेन्द्र प्रताप यादव, सदस्य
3. प्रो. बी. एम. मुखर्जी, बाह्य विषय विशेषज्ञ

अध्ययन मंडल की बैठक में निम्नलिखित निर्णय लिए गए:–

क्रम सं.	विवरण	निर्णय
1.	बी–एस.डब्लु. तृतीय सेमेस्टर एवं चतुर्थ सेमेस्टर के पेपर की कार्योत्तर स्वीकृति के संबंध में।	शीर्षक के आंशिक बदलाव के साथ अनुमोदित। तृतीय सेमेस्टर के प्रश्नपत्र का शीर्षक मानवविज्ञान में शोध प्रविधियाँ(**Research Methods in Anthropology**) के स्थान पर मानवशास्त्रीय शोध प्रविधियों का परिचय (**An Introduction to Anthropological Research Methods**) व चतुर्थ सेमेस्टर के प्रश्नपत्र का नाम शारीरिक मानवविज्ञान में प्रायोगिकी (**Practical in Physical Anthropology**) के स्थान पर शारीरिक मानवविज्ञान प्रायोगिकी का प्राथमिक ज्ञान (**Preliminary Understanding of Practical in Physical Anthropology**) के साथ अनुमोदित।
2.	पी–एच.डी. शोधार्थी श्री रामचंद्र साहू एवं श्रीमती अर्चना भालकर की पी–एच.डी. शोध प्रबंध जमा करने की समयावधि विस्तार करनें की कार्योत्तर के संदर्भ में।	दोनों शोधार्थियों को पी–एच.डी अध्यादेश क्रमांक 45 / 2009 के अनुच्छेद क्रमांक 7.3 के आलोक में अध्ययन मंडल द्वारा जुलाई 2016 से एक वर्ष अतिरिक्त का समय विस्तार की कार्यात्तर स्वीकृति प्रदान की जाती है।
3.	पी–एच.डी. शोधार्थी श्री जय नारायण सिंह के शोध प्रबंध के मूल्यांकन हेतु प्रेषित बाह्य विषय विशेषज्ञ की सूची की कार्योत्तर स्वीकृत्ति हेतु।	अनुमोदित।
4.	पी–एच.डी. शोधार्थी श्री शिव शंकर पटेल (सत्र 2015–16), श्रीमती गुंजन सिंह (सत्र 2016–17), श्री राजीव कुमार (सत्र 2016–17), श्री धनेश कुमार कन्नौजे (सत्र 2016–17) के शोध विषय व शोध निर्देशक के संबंध मे।	

शोधार्थी	शोध विषय	शोध निर्देशक
शिव शंकर पटेल	खादी उद्योग में मानव संसाधन प्रबंधन का मानवशास्त्रीय विश्लेषण	डॉ निशीथ राय
श्रीमती गुंजन सिंह	उत्तर प्रदेश में रिहा हो चुके बेगुनाह कैदियों की सामाजिक स्थिति का अध्ययन **Study on Social Status of Acquittals in Uttar Pradesh**	डॉ वीरेन्द्र प्रताप यादव

25.2.17

25.02.17

	राजीव कुमार	वर्धा के दलित बौद्धों का एथनोग्राफिक अध्ययन **Ethnographic study of Dalit Buddhists of Wardha**	डॉ फरहद मलिक
	धनेश कुमार कन्नौजे	बिरहोर जनजाति के सांस्कृतिक प्रविर्तन में भाषाई उत्प्रेरकों की भूमिका **Role of Linguistic Catalyst in Cultural Change of Birhor**	शोध निर्देशक :–डॉ फरहद मलिक शोध सह निर्देशक :– प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल

डॉ निशीथ राय
(सदस्य)
(अनुपस्थित)

डॉ आशुतोष कुमार
(भूतपूर्व शोधार्थी)
(अनुपस्थित)

25.02.17

डॉ वीरेन्द्र प्रताप यादव
(सदस्य)

प्रो. बी. एम. मुखर्जी
(बाह्य विषय विशेषज्ञ)

25.2.17

डॉ फरहद मलिक
(अध्यक्ष)

प्रो. मिताश्री मित्रा
(बाह्य विषय विशेषज्ञ)
(अनुपस्थित)

कार्यवृत्त

आज दिनांक 18 ~~जून~~ अप्रैल, 2016 को मानवविज्ञान विभाग में अध्ययन मंडल की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थित थे।

1. डॉ. फरहद मलिक
2. प्रो. पी.सी. जोशी (बाह्य सदस्य)
3. प्रो. अरुण कुमार (बाह्य सदस्य)
4. डॉ. वीरेन्द्र प्रताप यादव
5. डॉ. नीशीथ राय

अध्ययन मंडल की बैठक में निम्नलिखित निर्णय लिये गये

क्र.संख्या	कार्यसूची	निर्णय
1.	पी-एच.डी. कोर्सवर्क के पाठ्यक्रम की कार्योत्तर स्वीकृति के संबंध में ।	1. पी-एच.डी. कोर्सवर्क के पाठ्यक्रम (2015-16) को अनुमोदित किया गया।(संलग्नक 1, 2 और 3) 2. पी-एच.डी. कोर्सवर्क सत्र 2016-17 के पेपर 2 एवं 4 में आंशिक परिवर्तन किया गया । (संलग्नक 4 और 5) 3. पी-एच.डी. शोधार्थी (कोर्सवर्क रहित) अपने शोध निर्देशक (संभावित) के मार्गदर्शन में प्रवेश लेने के 3 माह के भीतर अपनी संभावित शोध रूपरेखा जमा करेंगें । 4. पी-एच.डी. शोधार्थी (कोर्सवर्क) अपने शोध निर्देशक (संभावित) के मार्गदर्शन में कोर्सवर्क परीक्षा का परिणाम आने के 3 माह के भीतर अपनी संभावित शोध रूपरेखा जमा करेंगें । 5. पी-एच.डी. प्रवेश हेतु आवेदकों को अपनी शोध रुचि जोकि विभागीय शिक्षकों की शोध रूचि से मेल खाती हो का उल्लेख करना होगा । (निर्णय संख्या 3 एवं 4 सत्र 2016-17 तथा निर्णय संख्या 5 सत्र 2017-18 से लागू होंगें)
2.	पी-एच.डी. शोधार्थी श्री तरनदेव जगन्नाथ सत्र (2012-13) की पी-एच.डी. शोध प्रबंध जमा करने की समयावधि विस्तार के संबंध में	एक वर्ष का समयावधि विस्तार दिया जाता है।

18/4/16 18/4/16 18/4/16 18.4.16 18/4/16

3.	BSW के पाठ्यक्रम प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर के पाठ्यक्रम की कार्योत्तर स्वीकृति के संबंध में	अनुमोदित (संलग्नक 6 और 7)
4।	एम.फिल. पाठ्यक्रम के पेपर-5 (प्रैक्टिकम) को 4 क्रेडिट से 2 क्रेडिट करने की कार्योत्तर स्वीकृति	अनुमोदित (संलग्नक 8)
5.	एम.ए. (चतुर्थ सेमेस्टर) के पेपर 2 (विकास का मानवशास्त्र) के पाठ्यक्रम की कार्योत्तर स्वीकृति के संबंध में	अनुमोदित (संलग्नक 9)
6.	**कार्यसूची-** पी-एच.डी. शोधार्थी श्री रामचन्द्र व श्री शिवबाबू सत्र (2015-16) की शोध रूपरेखा के संबंध में। **निर्णय-** पी-एच.डी. शोधार्थी श्री रामचन्द्र व श्री शिवबाबू सत्र (2015-16) की शोध विषय और शोध निर्देशक के संबंध में निम्नलिखित निर्णय लिये गये	

क्र.	शोध छात्र	शोध विषय	शोध निर्देशक
1	श्री रामचन्द्र	ग्रामीण वर्धा में आजीवका का सामाजिक जीवन पर प्रभाव । (Impact Of Livelihood On Social Life Of Rural Wardha)	डॉ. नीशीथ राय
2.	श्री शिवबाबू	पूर्वी उत्तर प्रदेश के *रुदनगीत* *(Roodangeet* Of Eastern Uttar Pradesh)	डॉ. वीरेन्द्र प्रताप यादव

18/4/16

डॉ. नीशीथ राय

डॉ. वीरेन्द्र प्रताप यादव

प्रो. अरुण कुमार

18/4/16

प्रो. पी.सी. जोशी

18.4.16

डॉ. फरहद मलिक

कार्यवृत्त

आज दिनांक 18 जून, 2015 को मानवविज्ञान विभाग में अध्ययन मंडल की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थित थे।

1) डॉ. फरहद मलिक, (विभागाध्यक्ष)

2) प्रो. पी.सी. जोशी, बाह्य सदस्य

3) प्रो. अरुण कुमार, बाह्य सदस्य

4) डॉ. वीरेन्द प्रताप यादव

5) डॉ. निशीथ राय

विभागीय बैठक में निम्नलिखित निर्णय लिये गये :

क संख्या	कार्यसूची	लिया गया निर्णय
1.	विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित सी.बी.सी.एस. के अनुरुप एम.ए., एम. फिल., पी–एच.डी. मानवविज्ञान एवं फोरेंसिक साइंस में डिप्लोमा के पाठ्य विवरण के संबंध में।	अनुमोदित (Enclosure 1.-34)

2 पी–एच.डी. शोधार्थी ब्रजेन्द्र कुमार गौतम, दीपमाला त्रिपाठी, विजय कुमार कन्नौजिया एवं लखन लाल विश्वकर्मा के शोध विषय, शोध निदेशक व शोध रुपरेखा के संबंध में निम्न लिखित निर्णय लिये गए :

क.	शोध छात्र	शोध विषय	सह निर्देशक	शोध निर्देशक
1	श्री ब्रजेन्द्र कुमार गौतम	शासकीय प्राथमिक विद्यालयों में दलित बच्चो की स्थिति (उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के विशेष संदर्भ में)		डॉ. वीरेन्द्र प्रताप यादव
2	सुश्री. दीपमाला त्रिपाठी	मध्य उत्तर प्रदेश के डोम जाति में जीवन गुणवत्ता और निर्धनता		डॉ. निशीथ राय
3	श्री. लखन लाल विश्वकर्मा	देशज ज्ञानः वन संसाधन का संरक्षण एवं प्रबंधन (महाराष्ट्र राज्य के गड़चिरोली जिले के धनोरा तहसील के विशेष संदर्भ में) Indigenous knowledge : conservation and management of Forest Resources (with special reference to the Dhanora Tehsil of Gadchiroli District of Maharashtra.)	It is recommended That **Dr. Debashish Debnath,** Indian Institute of forest management, Bhopal, an expert in this field be approached for co-guide on this thesis	डॉ. फरहद मलिक

	श्री. विजय कुमार कन्नौजिया	पूर्वी उत्तर प्रदेश के नट जाति में निर्धनता एवं सामाजिक परिवर्तन		डॉ. निशीथ राय

क्र संख्या	कार्यसूची	लिया गया निर्णय
	पी–एच.डी. शोधार्थी जय नारायण सिंह के शोध कार्य की अवधि विस्तार के संबंध में।	पी–एच.डी. शोधार्थी जय नारायण सिंह के शोध कार्य की अवधि में जुलाई, 2015 से एक वर्ष को विस्तार की संस्तुति की जाती है।
4	पी–एच.डी. शोधार्थी पंकज उपाध्याय के शोध विषय के शीर्षक में आंशिक परिवर्तन के संबंध में।	पी–एच.डी. शोधार्थी पंकज उपाध्याय के शोध विषय में आंशिक परिवर्तन किया गया है। उनका विषय ''सांस्कृतिक प्रतिरुपण के रुप में गोदना कला'' "Tattooing as Cultural Modelling" तय किया गया है।
5	एम.फिल. एवं पी–एच.डी. मानवविज्ञान में प्रवेश के लिए योग्यता के संबंध।	मानवविज्ञान / समाजशास्त्र / फोरेंसिक साइंस में परास्नातक

डॉ. निशीथ राय

सहायक प्रोफेसर

डॉ वीरेन्द्र प्रताप यादव

सहायक प्रोफेसर

18/6/15

प्रो. पी.सी जोशी

18.6.15

प्रो.अरुण कुमार

18.6.15

डॉ. फरहद मलिक

विभागाध्यक्ष